हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 326 देहरादून गुरूवार 19 फरवरी 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

मुख्यमंत्री धामी ने किया मुख्यमंत्री चौम्पियनशिप ट्रॉफी 2025-26 के समापन समारोह में प्रतिभाग

- देहरादून जनपद को विजेता ट्रॉफी एवं 05 लाख रुपये का चेक प्रदान किया

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ननूरखेड़ा, देहरादून में मुख्यमंत्री चौम्पियनशिप ट्रॉफी 2025-26 के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने देहरादून जनपद को विजेता ट्रॉफी एवं 05 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भव्य समापन केवल एक प्रतियोगिता का अंत नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के उज्ज्वल खेल भविष्य की नई शुरुआत है। खेल आयोजन आज हमारे गाँव-गाँव, न्याय पंचायतों और दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचान देने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। उत्तराखंड में खेल प्रतियोगिताएं अब जनचेतना का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अब देवभूमि के साथ-साथ खेलभूमि भी बन चुका है। इस आयोजन में 11 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खिलाड़ियों के खातों में भेजी जा रही है। मुख्यमंत्री ने

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत खेल जगत में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया मूवमेंट' जैसे अभियानों के माध्यम से देश में खेलों की संस्कृति को नई ऊर्जा मिली है। देश में फिटनेस एक जन आंदोलन बन चुकी है। हमारी युवा पीढ़ी खेलों के प्रति नए उत्साह और समर्पण के साथ आगे बढ़ रही है। आज भारत ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेलों और कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ऐतिहासिक प्रदर्शन कर रहा है। हमारे खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड संख्या में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है और कई खेलों में भारत ने विश्व पटल पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खेलों को नई प्राथमिकता मिली है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और सम्मान मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दे रही है। उत्तराखंड को देवभूमि के साथ खेलभूमि के रूप में स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर आगे बढ़ी है। 38वें राष्ट्रीय खेलों का सफल और भव्य आयोजन इसका सशक्त प्रमाण बना है, जिसने उत्तराखंड का मान पूरे देश में बढ़ाया है। इन खेलों में हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर 7वाँ स्थान हासिल किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आधुनिक और विश्वस्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। हमारे स्टेडियम, प्रशिक्षण केंद्र और सुविधाएँ अब राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए भी सक्षम हो चुकी हैं। सरकार द्वारा राज्य में स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान पर कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत प्रदेश के आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियाँ स्थापित की जाएँगी।

देहरादून जिला अदालत को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल में लिखा पाकिस्तान जिंदाबाद

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड में तीन दिनों से जिला अदालतों को बम की धमकी मिल रही है। बुधवार को देहरादून जिला अदालत को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल आया। जज को भेजे गए मेल में कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद की बात भी लिखी गई। इससे पहले सोमवार और मंगलवार को नैनीताल, अल्मोड़ा, टिहरी, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और हरिद्वार में भी इसी तरह की ध मकी दी गई। अज्ञात ने इस बार राजध ानी देहरादून स्थित जिला अदालत परिसर में विस्फोटक लगाने संबंधित मेल अदालत के आधिकारिक ईमेल पर भेजा है। इसके बाद पूरे परिसर को सील कर लगातार तलाशी ली जा रही है।

उत्तराखंड ने सौर ऊर्जा स्थापना में 01 गीगावाट का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए राज्य में स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता को 1 गीगावाट (1000 मेगावाट) से अधिक के स्तर पर पहुँचा दिया है। नवीनतम आँकड़ों के अनुसार राज्य में कुल स्थापित सौर क्षमता लगभग 1027.87 मेगावाट से अधिक हो चुकी है, जो स्वच्छ और हरित ऊर्जा की दिशा में राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में सौर ऊर्जा क्षमता के 1 गीगावाट का आंकड़ा पार करने पर कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति उनकी स्पष्ट नीति का परिणाम हैद्यमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने "आत्मनिर्भर भारत" और हरित ऊर्जा के जिस विजन को देश के सामने रखा, उसी से प्रेरित होकर उत्तराखंड में सौर ऊर्जा को जनआंदोलन का रूप दिया गया है। केंद्र सरकार की योजनाओं और राज्य सरकार की सक्रिय पहल के समन्वय से आज हजारों युवाओं और स्थानीय उद्यमियों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए हैंउन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड हरित ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान और मजबूत करेगाद्य यह उपलब्धि विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से संभव हुई है, जिनमें ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सोलर परियोजनाएं, ग्राउंड माउंटेड सोलर प्लांट, सरकारी भवनों पर सौर संयंत्र, कृषि क्षेत्र के लिए सोलर पंप, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सोलर योजनाएं तथा कॉमर्शियल एवं औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। राज्य की कुल स्थापित सौर क्षमता में प्रमुखत: ग्राउंड माउंटेड 397 मेगावाट, रूफटॉप सोलर पावर प्लांट (पीएम सूर्यघर) 241 मेगावाट, मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना 137 मेगावाट, कॉमर्शियल नेट मीटरिंग 110 मेगावाट, कैप्टिव सोलर पावर प्लांट 51 मेगावाट, कनाल टॉप एवं कनाल बैंक पर 37 मेगावाट एवं सरकारी भवनों पर 26 मेगावाट सोलर पावर प्लांट शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार...

स्कूल के पास से एक्टिवा चोरी

देहरादून(संवाददाता)। रायपुर थाना क्षेत्र के मयूर विहार इलाके से एक युवक की स्कूटी चोरी कर ली। पीड़ित की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। राजीव नगर कंडोली निवासी गौतम पुत्र विशंभर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 जनवरी की रात उनकी काले रंग की एक्टिवा गुरु राम राय स्कूल के पास खड़ी थी। रात करीब 9 से 10 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने उसे चोरी कर दिया। वाहन गायब देख पीड़ित ने तत्काल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। अब पीड़ित ने पुलिस से जल्द स्कूटी बरामद करने और चोरों पर कार्रवाई की मांग की है।

नगर से देहात तक पुलिस मुस्तैद, 20 प्वाइंट्स पर नाकेबंदी कर चेकिंग

देहरादून(संवाददाता)। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के सख्त निर्देशों के बाद बुधवार सुबह से ही दून पुलिस अलर्ट मोड पर नजर आई। जिले में नगर से लेकर देहात तक सघन और आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया गया। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को भीड़भाड़ वाले स्थानों और सीमाओं पर लगातार सतर्कता बरतने का सख्त निर्देश दिया है। पूरे जनपद में 20 प्रमुख चेकिंग प्वाइंट निर्धारित किए गए हैं। सभी क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग टीमों ने इन प्वाइंट्स पर मोर्चा संभाला। बाहरी राज्यों और अन्य जिलों से आने वाले निजी व सार्वजनिक वाहनों की बारीकी से तलाशी ली गई। सीमावर्ती चेक पोस्टों और आंतरिक मार्गों पर संदिग्ध रूप से घूम रहे व्यक्तियों से पूछताछ कर उनके सत्यापन की कार्रवाई भी मौके पर की गई।

सम्पादकीय

श्रम संहिताएं: एक नई दृष्टि

चार श्रम संहिताओं की 21 नवंबर, 2025 को आधिकारिक घोषणा के साथ ही एक नए युग की शुरुआत हो गई है। यह घोषणा भारत की श्रम कानून व्यवस्था में एक बड़े ढांचागत सुधार का संकेत है। अनुमानों के अनुरूप ही इसकी सराहना और आलोचना, दोनों ही की गई है। बहुप्रतीक्षित श्रम कानून सुधारों ने कामगारों से संबंधित 29 से ज्यादा कानूनों को चार व्यापक संहिताओं में समेट दिया है।भारतीय श्रम कानूनों में सुधारों की मांग लंबे अरसे से चली आ रही थी। इस संबंध में समय-समय पर सीमित घोषणाएं की गईं और उन्हें टुकड़ों में लागू किया गया। सभी हितधारक इस बात पर सहमत थे कि देश को आगे ले जाने के लिए एक उत्पादक, समावेशी और सशक्त कार्यबल तथा कामकाज का उपयुक्त परिवेश जरूरी है। बदलाव की इच्छा सब में होने के बावजूद हर हितधारक की अपनी अलग-अलग उम्मीदें और चिंताएँ थींइन सुधारों का उद्देश्य श्रमिक कल्याण को मजबूती देना और अनुपालन को सरल बनाना है। श्रम नियमन के ढांचे को वर्तमान आर्थिक और सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना तथा व्यवसाय सुगमता में वृद्धि के उपायों को मजबूत करना भी इनका उद्देश्य रहा है। इन सुधारों के तहत 29 महत्वपूर्ण कानूनों को वेतन, सामाजिक संरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा तथा औद्योगिक संबंध से जुड़ी चार संहिताओं में समेट दिया गया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य श्रमिकों के कामकाज को औपचारिक रूप देना, कानून के दायरे से अब तक बाहर रहे अनौपचारिक, अस्थाई और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए काम करने वाले कामगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना, महिला अधिकारों का संवर्द्धन तथा सभी क्षेत्रों में नियोक्ता-श्रमिक संबंधों को आधुनिक बनाना है।नई श्रम संहिताओं की नीचे वर्णित कुछ विशिष्टताएं उन्हें देश की मौजूदा और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाती हैं-सुदृढ़ीकरण और सामंजस्य: भारत के श्रम कानून ऐतिहासिक तौर पर विभाजित तथा परिभाषाओं की बहुलता और सख्त अनुपालन व्यवस्थाओं से ग्रसित थे। नियोक्ताओं को एकदूसरे से मिलती-जुलती अनेक नियामक जरूरतों का सामना करना पड़ता था। श्रमिक और खास तौर से असंगठित कामगार आम तौर पर वैधानिक संरक्षण के दायरे से बाहर थे। श्रम संहिताओं ने अनुपालन की पिछली जटिल प्रणाली को समरूप परिभाषाओं, डिजिटल प्रक्रियाओं और विस्तारित दायरे से सरल बनाया है।सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों का अनुपालन: सुधारों में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों को शामिल किया गया है। इन कार्य सिद्धांतों में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगारों का सृजन, श्रमिक अधिकारों और समानता का संरक्षण तथा सामाजिक सुरक्षा और संवाद शामिल है।अनुपालन का सरलीकरण: पुरानी प्रणाली में अत्यधिक कागजी कार्रवाई, निरीक्षणों पर अतिनिर्भरता और कमजोर अनुपालन जैसी खामियां थीं। नई संहिताओं में अनुपालन प्रणालियों को सुचारू बनाने के साथ ही उल्लंघनों को रोकने के लिए कठोर दंड की व्यवस्था की गई है।संवहनीय विकास लक्ष्यों के साथ तालमेल: ये संहिताएं श्रमिक अधिकारों को मजबूत कर, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करते हुए तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देकर संवहनीय विकास लक्ष्य (एसडीजी) 8 को आगे बढ़ाती हैं। इसके अलावा ये एसडीजी 1,3,5 और 10 को हासिल करने में भी सहायक हैं।कार्य संबंधी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप: इन संहिताओं में तेज आर्थिक और प्रौद्योगिकीय बदलावों को ध्यान में रखा गया है। इनमें विस्तारित परिभाषाओं, पुनर्प्रशिक्षण के प्रावधानों, व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज और वैकल्पिक कार्य व्यवस्थाओं के औपचारीकरण के जरिए भविष्य की कार्य संबंधी चिंताओं का निराकरण किया गया है।संहिताओं की मुख्य विशेषताएं और उनका प्रभाव:

वेतन संहिता, 2019: यह संहिता पिछले चार कानूनों को एकीकृत करती है और मजदूरी की एक समान परिभाषा तथा राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी की अवधारणा पेश करती है। यह व्यापक और अधिक सुसंगत वेतन सुरक्षा सुनिश्चित करती है, समय पर भुगतान को अनिवार्य बनाती है, और समान पारिश्रमिक के नियम को सुदृढ़ करती है, जिससे आय सुरक्षा मजबूत होती है और विवादों में कमी आती है।औद्योगिक संबंध संहिता, 2020: यह संहिता मजदूर संगठनों, औद्योगिक विवादों और स्थायी आदेशों को नियंत्रित करने वाले कानूनों को एक साथ लाती है। यह विवाद समाधान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है, निश्चित समय-सीमा निर्धारित करती है और हड़ताल, कामबंदी तथा छंटनी से जुड़े नियमों को तर्कसंगत बनाती है। जहाँ यह नियोक्ताओं को परिचालन के लिए लचीलापन प्रदान करती है, वहीं सामूहिक सौदेबाजी और कानूनी समाधान के लिए सुरक्षा उपायों को भी बरकरार रखती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020: यह संहिता संगठित क्षेत्र से आगे जाकर सुरक्षा के दायरे का विस्तार करके एक बड़े बदलाव का संकेत देती है।

धान-परती भूमि में सरसों की खेती से किसानों की अच्छी आय संभव

डॉ. पी.के. राय

छत्तीसगढ़ की परती भूमि अब सोना उगलने लगी है। धान का कटोरा कहे जाने वाले इस राज्य में किसानों का रुझान राई-सरसों की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इससे न केवल किसानों को अतिरिक्त आमदनी मिलना शुरू हुई है, बल्कि देश को खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनाने की राह भी आसान होती नजर आ रही है। बता दें कि यहां के किसान धान कटाई के बाद खेतों को खाली छोड़ देते हैं, यानी रबी फसल की बुवाई नहीं करते हैंइस कारण उनकी आर्थिक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। किसानों के इन हालातों को देखते हुए आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने ठोस रोडमैप के साथ प्रयास शुरू किए। परिणामस्वरूप परती भूमि पर अब सरसों की फसल लहलहाने लगी है। संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि राज्य की भूमि में खजाना छिपा हुआ है। यदि किसान धान कटाई के बाद देर से पकने वाली राई-सरसों किस्मों की बुवाई करें तो उनकी आर्थिक स्थिति में असम के किसानों के समान बदलाव देखने को मिल सकता है।गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में कुल कृषि क्षेत्र 4.78 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें केवल 23 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। वार्षिक वर्षा लगभग 1190 मिमी है, जिसमें लगभग 88 प्रतिशत वर्षा मानसून (मध्य जून से सितंबर) के दौरान होती है। इस दौरान किसान धान का बड़े पैमाने पर उत्पादन लेते हैं। वहीं रबी में गेहूं और थोड़े क्षेत्रफल में दलहनों की बुवाई करते हैं, लेकिन राई-सरसों का उत्पादन हाशिए पर है। वैज्ञानिकों का कहना है कि परती भूमि, बस्तर के पठारी और उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में राई-सरसों की खेती की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान का यह शुरुआती प्रयास है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।उन्होंने बताया कि धान कटाई के बाद कृषि भूमि परती रह जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता और किसानों की आय बढ़ाने के अवसर सीमित हो जाते हैं। राई-सरसों की फसल परती भूमि को उत्पादक बनाने में मददगार बन सकती है।परती भूमि की चुनौतीछत्तीसगढ़ में लगभग 3.9 मिलियन हेक्टेयर में धान की खेती होती है, जबकि धान उत्पादन लगभग 9.8 मिलियन टन है। खरीफ में अधिक वर्षा और चिकनी मिट्टी के कारण धान का उत्पादन भरपूर होता है, लेकिन रबी में यही खेती सीमित रह जाती है। धान के कुल क्षेत्र का लगभग 32 प्रतिशत भाग ही सिंचित है, जिससे कटाई के बाद पठारी और पहाड़ी क्षेत्रों के लगभग 40-60 प्रतिशत खेत परती रह जाते हैं। इस स्थिति में राई-सरसों का बुवाई क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है।31 हजार हेक्टेयर में खेतीसंस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि यहां की जलवायु रबी तिलहन के लिए अनुकूल है, बशर्ते खरीफ के बाद मृदा में नमी का संरक्षण और उचित कृषि तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जाए। क्योंकि राई-सरसों को कम पानी में उगाया जा सकता है और यह कम समय में पक जाती है।गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में महज 31 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की खेती होती है। करीब 17,260 टन उत्पादन और उत्पादकता 563 किग्रा प्रति हेक्टेयर है, जिसे वैज्ञानिक तकनीकों के समावेश से और बढ़ाया जा सकता है।20 प्रतिशत ज्यादा उपजउन्होंने बताया कि अनुसंधान परीक्षण के आधार पर धान के परती खेतों में राई-सरसों की अच्छी पैदावार मिलती है। इस फसल की लगभग 20 प्रतिशत अधिक पैदावार प्राप्त हुई है। प्रदर्शन के दौरान सरसों की किस्म डीआरएमआर-150-35 ने उत्साहजनक परिणाम दिए। यह किस्म 95ख्110 दिनों में पक जाती है, जिससे धान की कटाई के बाद मध्य नवंबर से दिसंबर के प्रथम सप्ताह तक इसकी बुवाई सहजता से की जा सकती है। इसके अलावा किसान छत्तीसगढ़ सरसों, टीबीएम, एनआरसीएचबी-101 और बीबीएम-1 जैसी किस्मों का उपयोग कर सकते हैं।किसानों को आजीविका सुरक्षाधान परती क्षेत्रों में राई-सरसों को शामिल करने से किसानों की आय और आजीविका सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार संभव है। वर्षा आधारित धान पारिस्थितिकी तंत्र में किए गए प्रदर्शनों से यह सिद्ध हुआ है कि शून्य जुताई के तहत राई-सरसों से 8ख्14 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है। इससे प्रति हेक्टेयर 27 हजार रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है। साथ ही सरसों के साथ मधुमक्खी पालन करके किसान अपनी आमदनी को और भी बढ़ा सकते हैं।छत्तीसगढ़ में राई-सरसों की खेती किसानों को त्रिस्तरीय लाभ दे सकती है, जिसमें आय वृद्धि, परती भूमि का उपयोग और खाद्य तेल उत्पादन में बढ़ोतरी शामिल है। इस फसल से राज्य के कृषि परिदृश्य को बदला जा सकता है। इस फसल पर अनुसंधान के काफी उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं।

मोदी सरकार विफल

ट्रंप अधिकतम वसूली करने और भारत की भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को अपने अनुरूप ढालने की कोशिश की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन मोर्चों पर भारत के संप्रभु अधिकारों एवं भारतीय हितों की रक्षा करने में नरेंद्र मोदी सरकार विफल रही है।भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी साझा बयान इस संबंध में सोशल मीडिया पोस्ट पर डॉनल्ड ट्रंप की पूर्व घोषणा के अनुरूप है। इसमें शामिल शर्तों के मद्देनजर यह भी कहा जा सकता है कि पूरा समझौता ट्रंप की शर्तों पर है। ह्वाइट हाउस से जारी साझा बयान के जब पहले ही पैराग्राफ में कहा गया है कि अमेरिका के सभी औद्योगिक उत्पादों और बड़े पैमाने पर खाद्य एवं कृषि पैदावार पर से भारत टैरिफ घटाएगा, तो फिर केंद्र के इस दावे में ज्यादा दम नहीं बचता कि उसने कृषि क्षेत्र के हितों की पूरी रक्षा की है।अमेरिकी बयान में सूखा आसवक चोकर, चारे के लिए लाल ज्वार, ट्री नट्स (बादाम, काजू, अखरोट, पिस्ता आदि), ताजा और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब, स्पीरिट आदि का नाम लेकर जिक्र है, जिन पर टैरिफ खत्म किए जाएंगे। उधर पांच साल में 500 बिलियन डॉलर की अमेरिकी सामग्रियों की खरीदारी की बात भी डील का हिस्सा है। फिलहाल, भारत 85 बिलियन डॉलर का निर्यात और 45 डॉलर का आयात करता है। इस तरह उसे अमेरिका से तकरीबन 40 बिलियन डॉलर का व्यापार लाभ है। अब भारत ने औसतन प्रति वर्ष 15 बिलियन डॉलर के व्यापार घाटे में जाने का करार किया है। उसका दबाव पहले से ही डगमगाए रुपये के भाव पर पड़ेगा।उधर भारत में टैरिफ हटने का भारत के राजकोष पर दबाव महसूस किया जाएगा। ऊपर से ह्वाइट हाउस ने एक अलग विज्ञप्ति जारी कर इसकी पुष्टि की है कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का वादा अमेरिका से किया है। बदले में अमेरिका भारतीय उत्पादों पर लगे 50 प्रतिशत को घटा कर 18 फीसदी पर लाएगा। लेकिन यह साफ है कि समझौता दोनों तरफ लगने वाले टैरिफ तक सीमित नहीं है। बल्कि अपने परिचित अंदाज के मुताबिक ट्रंप प्रशासन ने इसके जरिए भारत से अधिकतम वसूली करने और भारत की भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को अपने अनुरूप ढालने की कोशिश की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन मोर्चों पर भारत के संप्रभु अधिकारों एवं भारतीय हितों की रक्षा करने में नरेंद्र मोदी सरकार विफल रही है।

संक्षिप्त समाचार...

गैंडीखाता में हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन

हरिद्वार(संवाददाता)। लालढांग क्षेत्र के गेंड़ीखाता मंडल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में वक्ताओं ने हिन्दू एकता, सनातन संस्कृति के संरक्षण और समाज निर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका पर विशेष बल दिया। सम्मेलन में खंड संघचालक प्रकाश डोबरियाल, खंड कार्यवाह कृष्णा गुप्ता, खंड व्यवस्था प्रमुख कमल चौहान, खंड शारीरिक प्रमुख रोहित, खंड समरसता प्रमुख हंसराज सिंह, खंड संपर्क प्रमुख देशराज सिंह राठौड़, स्वयं सेविका प्रियंका पोखरियाल, स्वामी अनंतानंद, जबर सिंह बिष्ट, मनोज अमोली, मंत्री प्रसाद उनियाल, विक्रम चौहान सहित अनेक कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बहादराबाद में 21.560 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार, साथी फरार

हरिद्वार(संवाददाता)। पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बहादराबाद क्षेत्र से एक तस्कर को भारी मात्रा में गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 21 किलो 560 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली बहादराबाद पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान नहर पटरी के पास दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही एक व्यक्ति भाग निकला, जबकि दूसरे को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम गोविन्दा पुत्र कश्मीरा नाथ निवासी हरिपुर कला (आनंदोश्वाश्रम), थाना रायवाला, जनपद देहरादून, उम्र 30 वर्ष बताया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद सफेद कट्टे से 21 किलो 560 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जो वाणिज्यिक श्रेणी में आता है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि यह गांजा उसे उसके साथी सूरज निवासी भानियावाला ने दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और फरार साथी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

श्यामपुर में बंदरों का बढ़ता आतंक, घर से खेत तक बढ़ी परेशानी

हरिद्वार (संवाददाता)। श्यामपुर क्षेत्र में बंदरों की लगातार बढ़ती संख्या से जनजीवन प्रभावित हो रहा है और किसान भी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। बंदरों की टोलियां घरों में घुसकर रसोई और फ्रिज से सामान निकाल रही हैं, जबकि खेतों में खड़ी फसल और सब्जियां नुकसान झेल रही हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर हमले की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में नगर निगम हरिद्वार द्वारा शहर से पकड़े गए बंदरों को श्यामपुर क्षेत्र में छोड़े जाने के बाद उनकी संख्या बढ़ी है। कुछ ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर दावा किया कि चिड़ियापुर रेस्क्यू सेंटर लाए जाने वाले बंदरों को बंध्याकरण के बाद उनके मूल स्थान के बजाय श्यामपुर क्षेत्र के आसपास छोड़ा जा रहा है। बंदरों से संबंधित समस्या का मुद्दा हाल ही में आर्य नगर में आयोजित जनता की सरकार-जन-जन के द्वार कार्यक्रम में भी उठ चुका है।किसान धर्मपाल के अनुसार बंदरों के बढ़ते आतंक से कई किसानों ने खेती कम कर दी है। वहीं वन क्षेत्राधिकारी, श्यामपुर के विनय राठी ने बताया कि बंदरों से जुड़ी कार्रवाई रेस्क्यू सेंटर के अधिकार क्षेत्र में आती है, जो समय-समय पर क्षेत्र में टीम भेजकर बंदरों को पकड़ते हैं तथा बंध्याकरण के बाद उन्हें नियमानुसार उपयुक्त स्थान पर छोड़ा जाता है।

बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में जन अधिकार संगठन का समर्थन

हरिद्वार(संवाददाता)। जन अधिकार संगठन ने बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में संयुक्त संघर्ष समिति के कार्यक्रम को समर्थन देते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। संगठन ने मांग की कि वन अधिकार अधिनियम 2006 को प्रभावी रूप से लागू कर वन भूमि पर बसे लोगों को मालिकाना हक दिया जाए। साथ ही 2016 के मलिन बस्ती अधिनियम पर अमल सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी को भी बेघर न किया जाए तथा बेदखली से पूर्व सहमति और पुनर्वास की व्यवस्था अनिवार्य की जाए।

ज्योतिबा फुले के खिलाफ टिप्पणी पर केस दर्ज

हरिद्वार(संवाददाता)। सोशल मीडिया पर महात्मा ज्योतिबा फुले के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में मध्यप्रदेश से स्थानांतरित जीरो एफआईआर के आधार पर हरिद्वार में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। वार्ड नंबर 18 शीतला पाड़ा, श्योपुर मध्यप्रदेश निवासी मुकेश सुमन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 28 नवंबर 2025 को फेसबुक पर स्वामी आनंद स्वरूप नाम की आईडी से महात्मा फुले के विरुद्ध अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी की गई। शिकायतकर्ता ने स्वयं को राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड का जिलाध्यक्ष बताया है।

सीएम धामी ने किया खाटू श्याम धाम में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को विकासनगर, देहरादून में खाटू श्याम धाम में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खाटू श्याम धाम में पूजा-अर्चना कर प्रदेश में खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाबा खाटू श्याम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बाबा खाटू श्याम की महिमा अपरंपार है। उन्होंने कहा कि बाबा खाटू श्याम आस्था के आराध्य होने के साथ हर टूटे हुए मन को संबल देने वाले हारे के सहारे हैं।

जो भी सच्चे मन से बाबा को पुकारता है, बाबा उसकी झोली कृपा से भर देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा श्याम के भजन-कीर्तन, प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव और धार्मिक आयोजनों में उमड़ती श्रद्धालुओं की अपार भीड़ इस बात का जीवंत प्रमाण है कि बाबा हर हृदय में विराजमान हैं। यह दिव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धालुओं के लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा श्याम की कृपा से वे राज्य के मुख्य सेवक के रूप में प्रदेश की जनता की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपना संकल्प दोहराते हुए कहा कि जनता के विश्वास और स्नेह को सदैव बनाए रखते हुए वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से राज्य की सेवा करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए कौशल के साथ समर्पण भी आवश्यक है। यदि हम किसी कार्य को समर्पित भाव से करेंगे तो उसमें निश्चित ही सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में जो कुछ भी होता है, वह भगवान की कृपा से होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा केदारनाथ धाम से 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बताया था, जिस पर राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर विधायक मुन्ना सिंह चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष मीता सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीरू देवी, कुलदीप कुमार एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस ने बिना सीवर कनेक्शन के बिल भेजने और अधूरे कार्यों को लेकर जल संस्थान कार्यालय घेरा

देहरादून(संवाददाता)। महानगर कांग्रेस कमेटी ने बिना सीवर कनेक्शन के बिल भेजने और अधूरे कार्यों को लेकर जल संस्थान के कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने लापरवाही कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने मांगों से संबंधित ज्ञापन एसडीओ को भी सौंपा। बुधवार को महानगर कांग्रेस कमेटी के महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में कांग्रेस वर्करों ने जल संस्थान, इंदिरानगर कार्यालय में उप प्रभागीय अधिकारी (एसडीओ) कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने नारेबाजी कर एसडीओ को जल एवं सीवर बिलों में व्याप्त गंभीर अनियमितताओं के संबंध में ज्ञापन सौंपा। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि पंडितवाड़ी, वसंत विहार, इंदिरानगर, कांवली, द्रोणागिरी एवं पटेल नगर सहित अनेक क्षेत्रों में जल आपूर्ति एवं सीवर व्यवस्था को लेकर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां सीवर कनेक्शन उपलब्ध ही नहीं हैं, वहां भी उपभोक्ताओं से सीवर शुल्क की वसूलीके लिए बिल भेज दिए गए। डॉ. गोगी ने कहा कि कई क्षेत्रों में सीवर लाइन का कार्य अधूरा है और घरों को कनेक्शन नहीं जोड़ा गया है। इसके बावजूद नियमित रूप से बिलों में सीवर शुल्क जोड़ा जा रहा है। कहा कि कुछ इलाकों में जल आपूर्ति का प्रेशर काफी कम है और अनियमित आपूर्ति के बावजूद उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जा रही है। कहा कि जब तक नागरिकों को सीवर सेवा का वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा, तब तक सीवर टैक्स की वसूली बंद की जानी चाहिए। कहा कि क्षेत्रों में सीवर कनेक्शन उपलब्ध नहीं है, वहां से सीवर शुल्क की वसूली तत्काल रोकी जाए। गलत तरीके से वसूले गए सीवर शुल्क का समायोजन या रिफंड किया जाए। अधूरे पड़े सीवर कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। जल आपूर्ति के कम दबाव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

एनएसएस के छात्रों ने रैली निकालकर दिया स्वच्छता का संदेश

देहरादून(संवाददाता)। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज मालदेवता में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के छात्रों ने स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में रैली और कला के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। छात्रों ने स्थानीय लोगों से मिलकर कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक का उपयोग कम करने पर चर्चा भी की। बुधवार को स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय निवासियों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था। कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता रैली से की गई। इसके बाद स्वच्छता पोस्टर प्रतियोगिता, सफाई अभियान और जागरूकता संवाद किया गया।हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर छात्र-छात्राओं ने पूरे क्षेत्र में भ्रमण किया और स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के नारे लगाए।स्वयंसेवियों ने विद्यालय और आसपास के सार्वजनिक स्थलों पर श्रमदान कर स्वच्छता कार्यक्रम चलाया।

वित्त मंत्री सीतारमण का फर्जी विज्ञापन, मोबाइल हैक; उत्तराखंड में साइबर ठगों ने उड़ाए 48 लाख

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड में साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। ठगों ने अब आम जनता को ठगने के लिए देश के कद्दावर नेताओं और बड़े उद्योगपतियों के नाम का सहारा लेना शुरू कर दिया है। ताजा मामलों में साइबर ठगों ने सूबे के एक मशहूर मिठाई कारोबारी और चमोली के एक व्यक्ति को अपना निशाना बनाते हुए करीब 48.66 लाख रुपये की चपत लगा दी है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहला केस देहरादून का है यहां आनंदम स्वीट्स के मालिक आनंद स्वरूप गुप्ता निवासी नेहरू रोड, डालनवाला ने पुलिस को लिखित शिकायत की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनका खाता एचडीएफसी बैंक में है। 9 फरवरी को एक अनजान युवक ने उनका मोबाइल हैक कर लिया। आरोप है कि साइबर ठगों ने उनके खाते से 24.95 लाख रुपये किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर दिए। शिकायतकर्ता ने बताया कि साइबर ठगों ने एक दिन में उनके खातों से पांच विभिन्न खातों में यह धनराशि ट्रांसफार की। नौ फरवरी को उनका मोबाइल बंद हुआ जो 12 फरवरी को खुला। उन्होंने बैंक से संपर्क किया। बैंक से जानकारी मिली कि उनके खाते से धनराशि ट्रांसफर हो चुकी है। वहीं पुलिस का कहना है कि आए दिन हो रही साइबर ठगी से लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। वित्त मंत्री का फर्जी विज्ञापन दिखाकर लूटा: साइबर अपराधियों ने मोटे मुनाफे का लालच देकर 23.71 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर दी। साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मकर सिंह नेगी निवासी चमोली ने साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। बताया कि 7 अगस्त 2025 को वह अपने घर पर फेसबुक चला रहे थे।

डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने जिला अधिकारी कार्यालय में दिया एक दिवसीय धरना

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। अपनी लंबित 27 सूत्रीय मांगों को लेकर उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल लिया है। डिप्लोमा इंजीनियर्स ने बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट भवन में एक दिवसीय धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं अपनी 27 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया और मांगो के न मानने पर विशाल आंदोलन की चेतावनी दी। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि शासन स्तर पर लंबे समय से पत्राचार और अनुरोध के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो सका है जिससे इंजीनियरों में असंतोष और आक्रोश है। बताया कि 2 फरवरी से चरणबद्ध तरीके आंदोलन चल रहा है और 23 फरवरी को देहरादून में होने वाली विशाल रैली और सचिवालय घेराव कर सरकार को चेताया जाएगा। वहीं द्वितीय चरण के आंदोलन की भी घोषणा की जाएगी। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के अध्यक्ष रेवत सिंह रावत ने बताया सालों से लंबित 27 सूत्रीय मांगों के लिए आज बुधवार को एक दिवसीय धरना दिया गया। कहा कि, प्रमुख मांगे इंजीनियरों के ग्रेड पे को 6600 और 26 वर्षों बाद 8700 रुपये ग्रेड पे पर प्रोन्नत वेतनमान सुनिश्चित करना, 10 वर्ष की सेवा पर प्रथम एमएसीपी में ग्रेड पे 5400 (लेवल-10) की बहाली, नई पेंशन योजना (एनपीएस) और एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के स्थान पर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करना, पदोन्नति में समानांतर गैलरी सृजन, प्रोन्नति प्रतिशत बढ़ाने, सहायक अभियंताओं के वित्तीय अधिकारों में वृद्धि, ऊर्जा निगमों में प्रोन्नति सीमा बढ़ाने, फील्ड स्टाफ की नियुक्ति, तकनीकी पदों के पुनर्गठन और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए प्रयोगशालाओं की व्यवस्था आदि हैं। कहा कि जनपद मुख्यालयों पर धरना देकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। इसके साथ ही 23 फरवरी को देहरादून में प्रदेश स्तरीय विशाल रैली निकाली जाएगी, जो परेड ग्राउंड से सचिवालय तक जाएगी। इंजीनियरों ने कहा कि जब तक मांगे नहीं मानी गई आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष रेवत सिंह रावत, संजीव सैनी, केके उनियाल, आलोक पुरोहित, सृष्टि भंडारी, प्रदीप सेमवाल सहित बड़ी संख्या में इंजीनियर मौजूद थे।

प्यास बुझाने के लिए ग्रामीण दो किमी दूर से ढो रहे पानी

नई टिहरी(संवाददाता)। थौलधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत इडियान के बागोडी गांव में पेयजल किल्लत बढ़ने से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीण दो किलोमीटर दूर से स्रोत से पानी ढोने को मजबूर हैं। पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष व बागोडी गांव के निवासी लाखीराम उनियाल, जीतराम जोशी, राजेंद्र जोशी, आमोद जोशी, कांति प्रसाद जोशी, मदन जोशी ने बताया कि गांव में लंबे समय पेयजल किल्लत की समस्या बनी हुई है। डेढ़ वर्ष पूर्व जल संस्थान ने जल जीवन मिशन के तहत पनियार नामे तोक से गांव में लिए पेयजल लाइन बिछाई। बरसात के समय पेयजल स्रोत पर पानी बढ़ने के बाद गांव में प्रतिदिन पानी की सप्लाई होती है, लेकिन गर्मियों और सर्दियों में पेयजल स्रोत पर पानी की कमी होने से चौथे-पांचवें दिन पानी आता है। पानी कि किल्लत होने के कारण ग्रामीणों को करीब दो किलोमीटर दूर चढ़ाई चढ़कर पेयजल स्रोत से पानी लाना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी गांव में रहने वाले बुजुर्गों को उठानी पड़ती है। पानी कमी के चलते कई बार ग्रामीणों का आपसी विवाद हो जाता है। पानी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने अपनी गाय-भैस तक बेच दिए है। कहा कि बागोडी जिले का पहला सैनिक बाहुल्य गांव होने के साथ आदर्श गांव है। पानी की किल्लत के चलते कई लोग गांव से पलायन कर गए हैं। पानी की आपूर्ति न होने के बाद भी जल संस्थान ग्रामीणों को लगातार बिल भेज रहा है। ग्रामीणों की ओर शासन-प्रशासन से पानी की समस्या दूर करने की गुहार लगाई लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में इडियान पेयजल योजना से बागोडी गांव को पानी की सप्लाई की जा रही है, स्रोत पर पानी की कमी हो गई है। आसपास कोई अन्य पेयजल स्रोत न होने के कारण बागोडी में पानी नहीं पहुंचाया जा सकता है। बगोडी गांव ऊंचाई पर होने के कारण वाटर लेवल नहीं मिल पा रहा है। - गिरीश चंद्र सेमवाल, सहायक अभियंता जल संस्थान।

प्लॉटिंग के लिए खोदाई करने से खतरे में आई सी ब्लॉक की बिल्डिंग

नई टिहरी(संवाददाता)। जिला मुख्यालय में पुलिस थाने के पास सड़क की दीवार तोड़कर खोदाई करने से ऊपर बने मकान खतरे की जद में आ गए हैं। इससे भयभीत भवन स्वामियों ने डीएम को दिए ज्ञापन में भवन की सुरक्षा के लिए खुदाई बंद करने और परिवर्तन कर डंपिंग जोन में भूखंड आवंटन कराने की जांच करने की मांग की है।

पुलिस थाने के पास जेल रोड की ऊपरी साइड से सड़क का पुश्ता तोड़कर जेसीबी मशीन से खोदाई की जा रही है। बताया गया कि बिल्डर वहां आवासीय कॉलोनी बनाने के लिए प्लॉट तैयार कर रहा है लेकिन अधिक खोदाई करने से उसके पीछे सी ब्लॉक की चार नंबर बिल्डिंग खतरे की जद में आ गई है। बिल्डिंग में निवासरत श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष बलवीर सिंह नेगी और सतीश उनियाल ने डीएम व पुनर्वास निदेशक को दिए ज्ञापन में बताया कि वह क्षेत्र डंपिंग जोन है। बिल्डरों ने मिली भगत से प्लॉट परिवर्तन कर डंपिंग जोन में भूखंड आवंटित करा दिया।

टीएचडीसी ने तीन किमी लंबी टनल को सफलता पूर्वक किया पूरा

चमोली(संवाददाता)। टीएचडीसी की 444 मेगावॉट विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की तीन किलोमीटर लंबी टेल रेस टनल (टीआरटी) को सफलता पूर्वक आर-पार कर दिया गया है। टलन के सफलता पूर्वक ब्रेकथ्रू से टीएचडीसी के अधिकारियों व कर्मचारियों में खुशी की लहर है। टीएचडीसी की ओर से निर्माणाधीन विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। परियोजना में विद्युत उत्पादन के बाद पानी का नदी में दोबारा प्रवाह करने के लिए करीब 3.1 किमी लंबी और 9.2 मीटर व्यास की टेल रेस टनल बनाई जा रही है। मंगलवार को इस टनल पर खोदाई का काम सफलतापूर्वक पूरा कर दिया गया है। परियोजना प्रमुख अजय वर्मा ने बताया कि टीआरटी का यह ब्रेकथ्रू अत्यंत चुनौतीपूर्ण रहा, खोदाई के दौरान कई जगह पर भारी जल रिसाव, कीचड़ का प्रवाह जैसी जटिल समस्याएं आईं। एक फेस पर बार-बार कैविटी सक्रिय होने और तीव्र जल प्रवाह से खोदाई कार्य अस्थायी रूप से रोकना भी पड़ा। कमजोर और जल प्रवाह वाले चट्टानी क्षेत्र को सुरक्षित पार करने के लिए पाइप रुफिंग, ग्राउटिंग, शॉटक्रीटिंग, प्रोब ड्रिलिंग और मल्टी ड्रिलिंग जैसी उन्नत स्थिरीकरण तकनीकों का वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग किया गया। उन्होंने कहा कि लगातार निगरानी और तकनीकी दक्षता से अंतिम संवेदनशील खंड को स्थिर कर ऐतिहासिक ब्रेकथ्रू किया गया। कहा कि यह सफलता हमारे अभियंताओं व कर्मियों की प्रतिबद्धता, तकनीकी दक्षता और टीम भावना का परिणाम है। इस दौरान महाप्रबंधक (टीआरपी/पीएच/टीबीएम) केपी सिंह, महाप्रबंधक (ईएम) आरएस राणा, अपर महापबंधक (पीएच) एसपी डोभाल, संजय ममगांई सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्मेलन में हिंदू धर्म, संस्कृति और परंपरा संरक्षण पर दिया जोर

नई टिहरी (संवाददाता)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष उपलक्ष्य में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने हिंदू धर्म, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया। घनसाली में आयोजित हिंदू सम्मेलन में गंगा सभा हरिद्वार के सचिव उज्ज्वल पंडित ने कहा कि हिंदू समाज के सभी वर्गों के लोगों संगठित होकर धार्मिक परंपराओं, संस्कारों और सामाजिक समरसता को मजबूत करना होगा। हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति को संरक्षित करने के लिए विशेषकर युवाओं को आगे आने की जरूरत है। विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री अजय ने कहा कि आरएसएस के लोगों ने हिंदू समाज को संगठित करने और उनके हितों की रक्षा के लिए अपना जीवन लगा दिया है। सम्मेलन में लोक गायक साहब सिंह रमोला ने गढ़वाली गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी।

मिशन आरंभ से आंगनबाड़ी केंद्रों में पूर्व प्राथमिक शिक्षा सशक्त बनाने पर जोर

नई टिहरी (संवाददाता)। बाल विकास विभाग की बैठक में रॉकेट लर्निंग फाउंडेशन की ओर से संचालित मिशन आरंभ कार्यक्रम के तहत जिले में कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम नितिका खंडेलवाल ने कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों के भविष्य की नींव होती है। उन्होंने कहा कि जो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उत्कृष्ट कार्य करेंगी उन्हें प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा। जिले में चलाए जा रहे मिशन आरंभ कार्यक्रम की वरिष्ठ प्रबंधक लता कुमारी और जिला समन्वयक उमेश बहुगुणा ने मिशन आरंभ की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के तीन से छह साल आयु वर्ग के बच्चों को पूर्व प्राथमिक शिक्षा के महत्व से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। बच्चों की प्रारंभिक बाल्यावस्था की मजबूत आधारशिला के लिए खेल आधारित गतिविधियों को तकनीकी माध्यम से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को रोचक और सहभागितापूर्ण गतिविधियों के जरिए सीखने का अवसर मिल रहा है, जिससे उनकी भाषा, गणितीय क्षमता, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास को प्रोत्साहन मिल रहा है। इसके अलावा सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ऑफलाइन प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें एक कुशल एवं दक्ष शिक्षक के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में सीएमओ डॉ. श्याम विजय, बाल विकास अधिकारी संजय गौरव, समाज कल्याण अधिकारी श्रेष्ठा भाकुनी, अर्थ एवं संख्याधिकारी साक्षी शर्मा और एआरटीओ सत्येंद्र राज आदि मौजूद थे।

चानी बासर में अप्रैल में शुरू होगी जिला पंचायत की पहली गोशाला

नई टिहरी(संवाददाता)। जिला पंचायत टिहरी की पहली गोशाला आगामी अप्रैल माह में विधिवत अस्तित्व में आ जाएगी। भिलंगना ब्लॉक के चानी बासर में 26.45 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गोशाला का कार्य अंतिम चरण में है। निर्माण पूरा होते ही गोशाला का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। जिसमे 100 पशुओं को रखने की क्षमता उपलब्ध है। जिला पंचायत की ओर से गोशाला संचालन के लिए हरि कृष्णा समिति से अनुबंध किया जा चुका है। गोशाला में लगभग 100 गोवंश को एक साथ रखने की क्षमता है। गोशाला की सुविधा उन गोवंश के लिए तैयार की जा रही है, जो सड़कों और बाजार क्षेत्रों में घूमते हुए दुर्घटना में घायल हो जाते। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी भागवत पाटनी ने बताया कि चानी बासर में बनने जा रही जिला पंचायत की यह पहली गोशाला है। इसे निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। पशुपालन विभाग की ओर से प्रत्येक गोवंश की देखभाल और चारे के लिए हरि कृष्णा समिति को प्रतिदिन लगभग 80 रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। गोशाला में रखे जाने वाले पशुओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी समिति की जिम्मेदारी होगी। पशुओं के टीकाकरण और उपचार के लिए पशुपालन विभाग का सहयोग लिया जाएगा। भविष्य में गोशाला परिसर में एकत्रित गोबर से कंपोस्ट खाद बनाने की योजना है।

छात्र-छात्राओं को वितरित की गई फुटबाल

चमोली(संवाददाता)। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय पीपलकोटी में फुटबाल फॉर स्कूल योजना के तहत फुटबाल वितरण किक ऑफ कार्यक्रम आयोजित किया गया। बंड विकास संगठन के संरक्षक अतुल शाह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य केएस दिगारी ने बताया कि फुटबाल फॉर स्कूल के तहत छात्रों को खेलों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की पहल की जा रही है। संरक्षक अतुल शाह ने छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलकूद गतिविधियों में भी बढ़चढ़ कर प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर खेल शिक्षक दिनेश थापा, अनीता रजावत, छाया त्रिपाठी, अटल उत्कृष्ट राइंका गडोरा के प्रधानाचार्य बीएस चौहान, संजय राणा, सुनीता कठैत, प्रदीप सजवाण, जयेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

वनाग्निकाल की तैयारी को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया

रामनगर (संवाददाता)। तराई पश्चिमी वन प्रभाग रामनगर द्वारा आगामी वनाग्निकाल की तैयारी को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें प्रभागीय वनाधिकारी तराई पश्चिमी वन प्रभाग रामनगर के निर्देशन में उप प्रभागीय वनाधिकारी जसपुर के नेतृत्व में अलग-अलग टीमो का गठन किया गया। जिसमें वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग ,राजस्व विभाग, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा फॉरेस्ट फायर मॉक ड्रिल में प्रतिभाग किया गया। जिसमें लगभग 100 प्रतिभागी रहें। टास्क फोर्स के लीडर के रूप में तराई पश्चिम वन प्रभाग बैलपड़ाव रेंज के रेंजर बिजेन्द्र सिंह अधिकारी,नवल किशोर कपिल और रेंजर धर्मानंद सुनाल ने भागेदारी की। मॉक ड्रिल के दौरान मॉक ड्रिल के क्रियान्वय के लिए स्टेजिंग एरिया से सभी दलों को इंसिडेंट कमांड के लिए के लिए रवाना किया गया।स्टेजिंग एरिया में सभी फायर उपकरणों ,फायर हाइड्रेंट एवं जल संस्थान के टैंकर, फायर ब्रिगेड एवं फायर उपकरणों की व्यवस्था वन विभाग एवं रेखीय विभागों द्वारा सुनिश्चित की गई ।वायरलेस सिस्टम ,बेस सिस्टम ,रेंज कंट्रोल ,रूम मास्टर कंट्रोल, रूम नैना पीक रिपीटर सेंटर और आईसीसी सेंटर देहरादून से पूरी मॉक ड्रिल के दौरान सम्वनय स्थापित कर सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया। संचार केंद्र में वन विभाग की टीम के साथ पुलिस संचार केंद्र भी सक्रिय रहा। बुधवार सुबह सूचना मिली कि बैलपडाव रेंज के अन्तर्गत छोई बीट के बरूवा प्लाट संख्या 05 में आग लग गयी। जिसकी सूचना मिलते ही टीम 01 को मौके पर मय फायर रैक, पाठल, दराती ब्लोअर आदि सहित मौके को रवाना किया गया।उक्त टीम के बैकअप में टीम 02 को भी रखा गया था। टीम 01 द्वारा मौके पर पहुच कर आग बुझाने की कार्यवाही की गयी। कार्यवाही में विभाग के एक कर्मचारी आग को बुझाते बुझाते घायल हो गया। जिसकी सूचना वायरलैस के माध्यम से कॉन्ट्रौल रूम को दी गयी। सूचना प्राप्त होते ही स्वास्थ विभाक को तुरन्त सूचित किया गया और स्वास्थ विभाग की टीम मौके पर रवाना हुई।घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देकर ऐमबुलेंस के माध्यम से हॉस्पिटल पहुचाया गया।

पूछड़ी में की गई बुलडोजर कार्रवाई पर उच्च न्यायालय ने वन विभाग की मनमानी पर कड़ा रुख अपनाया

रामनगर (संवाददाता)। संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक ललित उप्रेती ने बताया कि उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता पूछड़ी निवासी बालादत्त कांडपाल की भूमि पर वन विभाग द्वारा अवैध कब्जे और फसलों को नष्ट करने के मामले में कड़ा संज्ञान लिया है।न्यायालय ने इसे अदालत के आदेश की ष्जानबूझकर अवज्ञा का प्रथम दृष्टया मामला मानते हुए प्रतिवादी के विरुद्ध अवमानना कार्यवाही शुरू कर दी है।गौरतलब है कि याचिकाकर्ता के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 61।(1) के तहत बेदखली की कार्यवाही शुरू की गई थी।इस आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की थी, जिस पर न्यायालय ने 27 फरवरी 2025 को एक अंतरिम आदेश पारित कर बेदखली की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।याचिकाकर्ता की अधिवक्ता तनुप्रिया जोशी ने न्यायालय को सूचित किया कि अदालत के स्टे के आदेश के बावजूद भी डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्य ने हठधर्मिता दिखाते हुए याचिकाकर्ता की भूमि पर विगत 24 दिसंबर 2025 में ट्रैक्टर और जेसीबी मशीनें तैनात कर याचिकाकर्ता की तैयार फसलें और चारा नष्ट कर दिया गया और भूमि पर वन विभाग द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया।न्यायालय ने डीएफओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और 18 मार्च 2026 को सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। उन्हें यह भी स्पष्ट करना होगा कि अदालती आदेशों के उल्लंघन के लिए उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही क्यों न की जाए।संयुक्त संघर्ष समिति ने न्यायालय में पूछड़ी में बेदखली की मार झेल रहे पूछड़ी के ग्रामीणों की दमदार पैरवी के लिए एडवोकेट अनुप्रिया जोशी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वन विभाग द्वारा विगत 7 दिसंबर को सैकड़ो लोगों के खिलाफ की गई बेदखली की कार्रवाई भाजपा के दबाव में गैर कानूनी तरीके से की गई थी।इसलिए बेदखल किए गए सभी लोगों का पुनर्वास किया जाए।

स्कूली बच्चों एवं आंगनबाड़ी के नन्हें बच्चों को स्कूल ड्रेस और बैग वितरित किए

रामनगर (संवाददाता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि इंदर सिंह रावत ने रामनगर विधानसभा के दूरस्थ ग्राम भलोन स्थित प्राथमिक विद्यालय में स्कूली बच्चों एवं आंगनबाड़ी के नन्हें बच्चों को स्कूल ड्रेस और बैग वितरित किए गए।इस अवसर पर उन्होंने बताया कि आगे भी निरंतर सहयोग देने का संकल्प लिया गया।इंदर सिंह रावत ने कहा कि वह रामनगर विधानसभा के प्रत्येक निर्धन एवं जरूरतमंद परिवार के साथ सदैव खड़े है और खड़े रहेंगे।इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधान मोहन पाठक, उप प्रधान नवीन टम्टा,पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य मोहन त्रिपाठी,सुनील नेगी,करन रावत आदि मौजूद रहें।

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया

रामनगर (संवाददाता) । आयुक्त खाद्य संरक्षा और औषधि प्रशासन उत्तराखंड एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा टीम ने रामनगर के मुख्य बाजार में आधा दर्जन से अधिक थोक और डिस्ट्रीब्यूटर के खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी असलम खान ने बताया कि निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान स्वामियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री को विक्रय करने,बिना बिल के खरीद न करने और स्टॉक का विवरण रखने के विशेष निर्देश दिए।खाद्य सामग्री का विक्रय एवं भंडारण न करने का निर्देश दिया गया ।अपने स्टोर का नियमित रूप से साफ सफाई और दवाओं का छिड़काव करने के भी निर्देश दिए ।वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी असलम खान ने बताया आगामी त्योहारों होली एवं रमजान को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है किसी भी सूरत में मिलावटी खाद्य सामग्री का विक्रय नहीं होने दिया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ विभाग सख्त से सख्त कार्यवाही करेगा। उन्होंने बताया कि मोहल्ला भवानीगंज में भी बिरयानी की दुकानों के निरीक्षण में एक दुकान पर लाइसेंस प्रस्तुत न कर पाने पर तीन दिन का समय दिया गया है।उन्होंने बताया कि आयुक्त के निर्देश पर जनपद में संयुक्त टीमों का गठन किया गया है जो प्रतिदिन कार्यवाही कर रही है जिसकी रिपोर्ट आयुक्त कार्यालय को भेजी जा रही है।

22 फरवरी को सिमकनी मैदान में हिंदू सम्मेलन होगा आयोजित, तैयारियां तेज

अल्मोड़ा (संवाददाता)। नगर के सिमकनी मैदान में 22 फरवरी को प्रस्तावित हिंदू सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मां नंदा हिंदू सम्मेलन समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के संबंध में बुधवार को एक होटल में पत्रकार वार्ता कर समिति के सदस्यों ने बताया को एक मंच पर लाकर वैचारिक विषयों पर संवाद नगर और आसपास के क्षेत्रों किया जा रहा है। समिति से प्रकाश फुलोरिया, दीपक नेगी, कैलाश गुरुरानी, मनोज नयाल और मनोज पवार विभिन्न आयोजकों के अनुसार सम्मेलन आकर्षण का केंद्र रहेंगे। स्थानीय भजन-कीर्तन और देशभक्ति गीत को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं जानकारी दी गई। आयोजन कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज सामाजिक, सांस्कृतिक और स्थापित करना है। इसके लिए में व्यापक स्तर पर जनसंपर्क जुड़े मनोज सनवाल, चंद्र पांडे, अमित साह मोनू, देवाशीष तिवारी, सुनील कर्नाटक, बीना जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कलाकारों द्वारा लोकनृत्य, प्रस्तुत किए जाएंगे, जिससे युवाओं जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष प्रस्तुतियों की भी तैयारी की जा रही है। सम्मेलन से पूर्व नगर में एक बाइक रैली भी निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होकर लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेगी।

वॉलीबॉल चौंपियनशिप 2026 का आयोजन

रामनगर (संवाददाता)। 14 वीव राष्ट्रीय पैरा वॉलीबॉल चौपियनशिप 2026 का आयोजन 25 से 28 फरवरी तक मरेठ उत्तर प्रदेश में आयोजित की जानी है , प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए रामनगर के डिग्री कालेज रामनगर में पैरालिपिक ऐसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के द्वारा पैरा सिटिंग बॉलीबॉल का चयन ट्रायल महिला वर्ग व पुरुष वर्ग आयोजित किया गया जिसमे 13 जिलो को पैरा खिलाडियो ने प्रतिभाग किया।इस में महिला वर्ग व पुरुष वर्ग के पैरा खिलाडियों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया इस अवसर पर चयन ट्रायल का शुभाम्भ डिग्री कालेज के प्राचार्य मोहन चन्द्र, डाव योगेश,फायर स्टेशन के रविन्द्र कम्बोज,विपिन कम्बोज व छात्रसंघ अध्यक्ष कृष्णा कुमार,आदेश डबराल,सन्दीप चौधरी ने संयुक्त रूप से किया।वर्ग के दीपक कुमार, रोहित कार्की, दिनेश कुमार रामेश , दिनेश कुमार, जगदीश व महिला वर्ग में पूजा कविता, रोशनी,महिला मनीषा, गंगा, सुमन लक्ष्मी, बबीता राना, रहनाज आदि का चयन हुआ। पुरुष वर्ग और महिला वर्ग अपना प्रतिनिधित्व उत्तराखंड का करेगी।यह चयन ट्रायल, जिला नैनीताल और उद्यमसिंह नगर पैरालिपिक संघ के जिला सचिव भारत कुमार, की देख रेख में सम्पन हुआ हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

रामनगर में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का भाजपा सरकार पर हमला,उत्तराखंड बन रहा अपराध का अड्डा,सूखे नशे से 'उड़ता उत्तराखंड' की ओर

रामनगर (संवाददाता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत रामनगर पहुंचे। जहाँ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।हरीश रावत ने काशीपुर रोड स्थित रामनगर के एक रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेस वार्ता में राज्य सरकार पर कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध, अवैध खनन और नशे के कारोबार को लेकर तीखा हमला बोला,उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है और स्थिति बेहद चिंताजनक होती जा रही है। उन्होंने कहा कि देहरादून ही नहीं, बल्कि पूरा प्रदेश अपराध की चपेट में है, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि, मानव तस्करी, नशाखोरी और भ्रष्टाचार जैसे मामलों ने राज्य की छवि को धूमिल किया है,उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं से जुड़े अपराधों में उत्तराखंड शीर्ष राज्यों में गिना जा रहा है,अंकिता हत्याकांड का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है और महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं,पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा नेता त्रिवेंद्र सिंह रावत के बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि जब उनकी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता सरकार को कानून व्यवस्था और खनन

जैसे मुद्दों पर नसीहत दे रहे हैं, तो हालात की गंभीरता समझी जा सकती है,देहरादून में हाल में हुए विक्रम शर्मा हत्याकांड का हवाला देते हुए रावत ने सवाल उठाया कि जिस व्यक्ति पर कई आपराधिक मुकदमे दर्ज थे, उसे लाइसेंसी हथियार और व्यवसाय की अनुमति कैसे मिली,उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता से जुड़े कुछ लोग अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं, जिससे पुलिस प्रभावी कार्रवाई करने में असमर्थ हो रही है,पुलिस वाहन में कोर्ट ले जाते समय हत्या की घटना को उन्होंने संगठित अपराध का संकेत बताया।खनन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की नदियों का अंधाधुंध खनन हो रहा है और खनन माफिया नए-नए रास्ते बनाकर संसाधनों की लूट में लगे हैंउत्तराखंड अपराध से धन कमाने वालों के लिए स्वर्ग बनता जा रहा है,नशे के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताते हुए रावत ने कहा कि सूखे नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है और प्रदेश उड़ता पंजाब की तर्ज पर उड़ता उत्तराखंड बनता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि युवा नशे से बाहर निकलेगा तो वह सत्ता से सवाल करेगा, इसलिए सरकार प्रभावी कार्रवाई करने में विफल है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश के नौ ज्वलंत मुद्दों पर देहरादून में लोकभवन घेराव कर आंदोलन की शुरुआत कर दी है, अब यह आंदोलन जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर तक ले जाया जाएगा। उन्होंने मांग की कि वन गांवों और अन्य स्थानों पर बसे गरीबों को उजाड़ने के बजाय उनका नियमितीकरण किया जाए। रावत ने अंत में कहा कि यदि कानून व्यवस्था, नशाखोरी और भ्रष्टाचार पर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक संरचना पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और पलायन लगातार बढ़ता जा रहा है।जो कि चिंता का विषय है।भाजपा सरकार को इस पर ठोस कदम उठाने चाहिए।इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मोहम्मद अकरम,ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य धीरेन्द चौहान, पूर्व प्रधान मोहन फर्टियाल आदि मौजूद रहें।

दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक

अल्मोड़ा(संवाददाता)। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के प्रस्तावित प्रथम दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक भवन में कुलपति सतपाल सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में समिति संयोजकों और अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न समितियों की प्रगति और तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। दीक्षांत समारोह के संयोजक डी. के. भट्ट ने अलग-अलग समितियों द्वारा की जा रही तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस पर कुलपति सतपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह निकट भविष्य में प्रस्तावित है, ऐसे में सभी समितियां अपनी तैयारियों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं। उन्होंने विभिन्न मदों में संभावित व्यय, कार्ययोजना और व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संतोष जताया। बैठक में ऑडिटोरियम की तैयारियां, सड़क सुधार, कुलगीत की तैयारी, पदक वितरण समारोह, मंच की रूपरेखा, अतिथियों के आवास, स्वागत व्यवस्था, डिग्री वितरण, सेल्फी प्वाइंट और यातायात प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वित्त अधिकारी अमित कुमार त्रिपाठी, शोध एवं प्रसार निदेशालय के निदेशक जगत सिंह बिष्ट, संकायाध्यक्ष शिक्षा रिजवाना सिद्दीकी, संजीव आर्या, प्रियंका पांडे, ललित जोशी और चंद्र प्रकाश फुलोरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सिमतोला इको पार्क में वनाग्नि नियंत्रण को लेकर मॉक ड्रिल

अल्मोड़ा(संवाददाता)। वनाग्नि की संभावित घटनाओं से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए सिमतोला इको पार्क में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना रहा। मॉक ड्रिल के तहत सुबह सिमतोला क्षेत्र में आग लगने की काल्पनिक सूचना

मिलते ही आपदा प्रबंधन तंत्र सक्रिय किया गया। वन चेतना केंद्र एनटीडी को स्टेजिंग एरिया बनाकर राहत और बचाव कार्यों का संचालन किया गया। वन विभाग की टीम ने फायर लाइन बनाकर और उपकरणों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रदर्शन किया। पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी कर यातायात और भीड़ नियंत्रण संभाला। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों ने घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का अभ्यास किया, जबकि चिकित्सा विभाग ने प्राथमिक उपचार और एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई। आपदा प्रबंधन विभाग ने पूरे अभियान का समन्वय किया। अभ्यास के दौरान विभागों की तैयारियों का आकलन किया गया और सुधार के बिंदुओं पर चर्चा हुई। वन संरक्षक उत्तरी कुमाऊं वृत्त चंद्रशेखर जोशी ने मॉक ड्रिल का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह ने कहा कि ऐसे अभ्यास आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता को मजबूत करते हैं और जन-धन की हानि को कम करने में सहायक होते हैं। प्रशासन ने लोगों से वनाग्नि के प्रति सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तुरंत संबंधित विभागों को देने की अपील की है।

रामनगर में कूड़ा वाहन की चपेट में आने से हुई एक 6 वर्षीय मासूम बालिका की मौत

घटना से आक्रोशित परिजनों एवं ग्रामीणों ने कई घंटों तक हंगामा काटा,पुलिस के साथ भी हुई जमकर नोक झोक

रामनगर।रामनगर के ग्राम पूछड़ी बिहारी टप्पर क्षेत्र में बुधवार को घर के पास खेल रही 6 वर्षीय मासूम बालिका आलिया की कूड़ा वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया।ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी करते हुए हंगामा किया।आलिया पुत्री कमल हसन उम्र 6 साल निवासी बिहारी टप्पर ग्राम पूछड़ी क्षेत्र में अपने गांव के अन्य बच्चों के साथ घर के समीप खेल रही थी। इसी दौरान तेज गति से आया एक कूड़ा वाहन उसे टक्कर मारता हुआ निकल गया, प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि वाहन चालक नाबालिग था और लापरवाही से वाहन चला रहा था। हादसा इतना गंभीर था कि

बालिका ने मौके पर ही दम तोड़ दिया,बताया जा रहा है कि मृतका को उसकी नानी और मामा पाल रहे थे,घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और बिलख-बिलख कर रोने लगे। ग्रामीणों ने भी घटना का विरोध करते हुए चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की,सूचना पर कोतवाल सुशील कुमार, एसएसआई महेंद्र प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे,जब पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाने लगी तो परिजनों और ग्रामीणों ने इसका विरोध किया। कई लोग पुलिस वाहन के आगे खड़े हो गए और वाहन को जाने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई,ग्रामीणों का कहना था कि पहले आरोपी चालक और वाहन को पकड़कर कार्रवाई की जाए, उसके बाद ही शव को ले जाया जाए।काफी समझाइश और मशक्कत के बाद पुलिस ने भीड़ के बीच से सरकारी वाहन निकालकर शव को अस्पताल पहुंचाया,कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि घटना में शामिल वाहन और चालक की तलाश की जा रही है और मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी।इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

हिन्दी दैनिक जोखिम

हे बलवंत दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी: अभिनेत्री शिवानी नागरम

हाल ही में लिटिल हार्ट्स, राजू वेड्स रामभाई और ईशा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले सफल जोड़ी बन्नी वास और वामसी नंदीपति अब एक पूरी तरह से मनोरंजक फिल्म हे बलवंत (पहले हे भगवान थी) के साथ दर्शकों के सामने आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण बी. नरेंद्र रेड्डी त्रिशूल विजनरी स्टूडियोज के बैनर तले कर रहे हैं, निर्देशन गोपी आचार्य कर रहे हैं और इसे नंदीपति एंटरटेनमेंट्स और बन्नी वास वर्क्स प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म में सुहास, शिवानी नागराम, वरिष्ठ अभिनेता नरेश और एंकर श्रावंती मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 20 फरवरी को रिलीज होने वाली है।इस अवसर पर सोमवार को अभिनेत्री शिवानी नागराम ने मीडिया से बातचीत की।उन्होंने बताय कि सुहास के साथ यह मेरी दूसरी और मेरे करियर की तीसरी फिल्म है। उनके साथ पिछली फिल्म में मेरा किरदार बहुत गंभीर था और कहानी भी काफी गंभीर थी। लेकिन इस फिल्म में यह काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है। मुझे यह भूमिका निभाने में बहुत मजा आया। पूरी फिल्म दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। अंत में पिता-पुत्र का प्रेम प्रसंग भी सबको छू जाएगा। मेरे किरदार में मासूमियत के साथ-साथ हास्य भी है।फिल्म बहुत अच्छी है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह निश्चित रूप से हिट होगी। सुदर्शन, सुहास और मेरे किरदार आपको खूब हंसाएंगे। नरेश और वेन्नेला किशोर के किरदार बेहद मजेदार हैं। क्लाइमेक्स धमाकेदार होगा और बेहद मनोरंजक।मेरे पास जो भी कहानियां आती हैं, उनमें से मैं हमेशा सबसे अच्छी कहानी चुनता हूं। मेरी पहली फिल्म में कॉमेडी नहीं थी, दूसरी पूरी तरह से कॉमेडी थी, और इस फिल्म में भी कॉमेडी है। मुझे कहानी और अपना किरदार दोनों ही पसंद आ गए, जैसे ही मैंने इसके बारे में सुना।इस फिल्म में कौन सा व्यवसाय दिखाया गया है? क्या आपका इससे कोई संबंध है?नहीं, फिल्म में दिखाया गया व्यवसाय नरेश सर का पारिवारिक व्यवसाय है। मेरा इससे कोई संबंध नहीं है। आपको इसे सिनेमाघरों में देखना चाहिए और आनंद लेना चाहिए। आपको खूब हंसी आएगी।यह रंगीन दृश्यों और बेहतरीन संगीत से भरपूर एक मनोरंजक फिल्म है। नरेश और वेन्नेला किशोर की कॉमेडी आपको खूब हंसाएगी। हर किरदार आपको हंसाएगा।मैंने कुचिपुड़ी और संगीत सीखा है। मैं गायिका से अभिनेत्री बनी हूँ। मैंने लिटिल हार्ट्स में थोड़ा गुनगुनाया था और आरम्भम में एक गाना गाया था। अगर मौका मिले तो मैं गाने के लिए तैयार हूँ।वो बहुत ही मिलनसार और सहयोगी हैं, और एक बेहतरीन अभिनेता हैं। इस फिल्म में हमारी जोड़ी दर्शकों का मनोरंजन करेगी। हमारे साथ के दृश्यों का दर्शक भरपूर आनंद लेंगे।मेरा परिवार बहुत सहयोगी है। उन्होंने मुझे जो अवसर दिया, उसका मैंने अच्छे फिल्मों में उपयोग करके खुद को साबित किया। वे बहुत खुश हैं।लिटिल हार्ट्स की सफलता के बाद आप ऑफर्स को कैसे मैनेज कर रही हैं?मैं सफलता को एक अवसर मानकर अगली फिल्म की ओर बढ़ती हूं, लेकिन मैं फिल्म तभी स्वीकार करती हूं जब मुझे कहानी पसंद आए, चाहे कलाकारों का संयोजन कैसा भी हो। मैं देखती हूं कि क्या मैं कहानी से जुड़ पाती हूं और मेरा किरदार कितना महत्वपूर्ण है। यही मेरे लिए मायने रखता है।मैंने शुरू में गंभीरता से अभिनेता बनने की योजना नहीं बनाई थी, लेकिन अब मुझे पहचान मिल गई है। मुझे अच्छी फिल्में, अच्छी टीम और अच्छे सह-कलाकार मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मेरे पास जो भी ऑफर आते हैं, उनमें से मैं सर्वश्रेष्ठ का चयन करता हूं। मैं 100 फिल्में नहीं करना चाहता; अगर मैं पांच भी करूं, तो उनकी कहानी अच्छी होनी चाहिए।अगर आपको स्टार हीरो के साथ काम करने के ऑफर मिलें, तो क्या आप कहानी की परवाह किए बिना उन्हें स्वीकार कर लेंगी?मेरे लिए सिनेमा तो सिनेमा है। अगर मुझे कहानी और मेरा किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसे स्वीकार कर लूंगी। मैं बिना किसी पूर्व अनुभव के आई हूं। दर्शकों द्वारा दिए गए सम्मान को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।बहुत खुश हूं। अब अभिनेताओं के साथ-साथ लेखक और निर्देशक भी बढ़ गए हैं। तेलुगु लड़कियों को ज्यादा मौके मिल रहे हैं। अब छोटी-बड़ी फिल्मों का कोई फर्क नहीं रह गया है। छोटी फिल्में भी बड़ी हिट हो रही हैं। कई लोगों ने कहा कि अगर लगातार फिल्में नहीं करोगी तो गायब हो जाओगी, लेकिन मैं चाहती हूं कि लोग कहें कि मैं हमेशा अच्छी फिल्में चुनती हूं। मैं दूसरी हीरोइनों की तरह ही फिल्मों को लेकर चुनिंदा रहना चाहती हूं।मुझे हर प्रकार की फिल्में पसंद हैं, लेकिन विशेष रूप से रोमांटिक कॉमेडी। जब मूड खराब होता है, तो ऐसी मनोरंजक फिल्में देखने से मूड ठीक हो जाता है। मैं सभी शैलियों की फिल्में करना चाहता हूँ।मेरी फिल्में ओटीटी पर आ रही हैं, इसलिए मुझे अलग-अलग भाषाओं से ऑफर मिल रहे हैं। फिलहाल, दो तमिल और दो तेलुगु फिल्मों पर बातचीत चल रही है।

परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर जिम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही जिंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो।फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नजरअंदाज होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर लाखों में सिमटी श्बॉर्डर 2 की कमाई, 25 दिनों में सनी देओल की फिल्म ने किया 322.45 करोड़ का कलेक्शन

सनी देओल और वरुण धवन स्टारर जबरदस्त वॉर ड्रामा श्बॉर्डर 2ष् कई नई फिल्मों से कॉम्पिटिशन और टेलीविजन पर बड़े क्रिकेट मैचों के डिस्ट्रैक्शन के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है. इस फिल्म ने सक्सेसफुली अपने दर्शकों को बनाए रखा है और ये थिएटर में लगातार चल रही है. चौथे वीकेंड पर भी इस फिल्म ने करोड़ों में कमाई की है. चलिए यहां जानते हैं श्बॉर्डर 2ष् ने चौथे मंडे को यानी रिलीज के 25वें दिन कितना कलेक्शन किया है? सनी देओल की श्बॉर्डर 2ष् ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार परफॉर्म किया है. ये फिल्म साल की अभी तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड पहले ही अपने नाम कर चुकी है. वहीं अच्छी बात ये है कि सिनेमाघरो में कई नई फिल्मों के आने के बावजूद ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. हालांकि अब इसकी कमाई में काफी गिरावट भी दर्ज की जा रही है.इन सबके बीच फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो श्बॉर्डर 2ष् ने रिलीज के पहले हफ्ते में 224.25 करोड़ का कलेक्शन किया था. इसके बाद दूसरे हफ्ते में इसकी कमाई 70. 15 करोड़ रुपये रही. वहीं तीसरे हफ्ते में इसने 23.35 करोड़ जोड़. इसके बाद रिलीज के 22वें दिन फिल्म ने 80 लाख कमाए थे. वहीं श्बॉर्डर 2ष् ने अपने 23वें दिन 137.50 फीसदी की तेजी के साथ 1.9 करोड़ कमाए और फिर चौथे रविवार को फिल्म ने 26.32 फीसदी की ग्रोथ दिखाते हुए 1.4 करोड़ कमाए.अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्बॉर्डर 2 ने रिलीज के 25वें दिन यानी चौथे मंडे को 60 लाख कमाए हैं. इसी के साथ श्बॉर्डर 2ष् की 25 दिनों की कुल कमाई अब 322. 45 करोड़ रुपये हो गई है.बॉर्डर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया है और रिलीज के 25 दिनों में इस फिल्म ने 322.45 करोड़ कमा लिए हैं. ऐसे में 275 करोड़ के कथित बजट के साथ, श्बॉर्डर 2ष् ने भारत में अपनी प्रोडक्शन कॉस्ट पहले ही निकाल ली है और लगभग 77.22 करोड़ का प्रॉफिट कमा लिया है. अब देखने वाली बात होगी कि घटती कमाई के साथ क्या ये भारत में 350 करोड़ का आंकड़ा छू पाती है या नहीं.वहीं रानी मुखर्जी साबित कर रही हैं कि वह बॉक्स ऑफिस की सबसे बड़ी शेरनी क्यों हैं! उनकी दमदार कॉप ड्रामा मर्दानी 3 लगातार अच्छी कमाई के साथ अपने तीसरे हफ्ते में आ पहुंच चुकी है. दिलचस्प बात ये है कि शाहिद कपूर की ओ रोमियो, शनाया कपूर और आदर्श गौरव की तू या मैं, और सनी देओल की वॉर ड्रामा बॉर्डर 2 से भारी कॉम्पिटिशन के बावजूद, शिवानी शिवाजी रॉय पीछे हटने को तैयार नहीं हैं. वहीं फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक मर्दानी 3 ने तीसरे मंडे को 50 लाख का कलेक्शन किया है. इसी के साथ मर्दानी 3 की कुल कमाई 44.75 करोड़ रुपये हो गई है.

हिन्दी दैनिक जोखिम

सीएम धामी ने किया 'चंपावत सरस कॉर्बेट महोत्सव-2026' का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय, देहरादून से वर्चुअल माध्यम से 'चंपावत सरस कॉर्बेट महोत्सवख्र 2026' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि चंपावत के प्रत्येक घर में इन दिनों उत्साह और उमंग का वातावरण है। उन्होंने उल्लेख किया कि होली का पर्व समीप है और काली कुमाऊँ की होली अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के कारण पूरे देश में अलग स्थान रखती है। बैठकी होली, खड़ी होली, चौफुला, सुर-ताल और लोकसंस्कृति का ऐसा अद्भुत संगम देश में विरल ही देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपावत की पुण्य भूमि इतिहास, अध्यात्म और संस्कृति की धरोहर रही है। उनके अनुसार 'चंपावत सरस कॉर्बेट महोत्सवख्र2026' केवल सात दिनों का आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक गरिमा, प्राकृतिक सौंदर्य, मातृशक्ति के सामर्थ्य, युवाओं के उत्साह और आत्मनिर्भर उत्तराखंड के संकल्प का जीवंत उत्सव है। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष महोत्सव को "शीतकालीन कॉर्बेट महोत्सव" के रूप में भी आयोजित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में शीतकालीन पर्यटन को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि महोत्सव के अंतर्गत पैराग्लाइडिंग, माउंटेन बाइकिंग, हॉट एयर बलून, रिवर राफ्टिंग, पैरामोटरिंग, पक्षी अवलोकन और ट्रेकिंग जैसी साहसिक गतिविधियों के माध्यम से चंपावत को राष्ट्रीय स्तर पर साहसिक पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से युवाओं को नए अवसर मिलेंगे तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन विकसित होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि जिम कॉर्बेट और उनकी कहानियाँ देश-दुनिया में प्रसिद्ध हैं। उनकी आत्मकथाओं के माध्यम से चंपावत-लोहाघाट क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर वन्यजीव प्रेमियों और टाइगर लवर्स के बीच पहचान मिली। वर्ष 1907 में चंपावत क्षेत्र में कुख्यात आदमखोर बाघिन का अंत कर उन्होंने सैकड़ों लोगों की जान बचाई और आगे चलकर वन्यजीव संरक्षण की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही

कारण है कि यह क्षेत्र आज भी साहस, इतिहास और प्रकृति प्रेम का अद्भुत केंद्र माना जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महोत्सव में मधुबनी चित्रकला एवं आधुनिक कला कार्यशालाएं, क्विज प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी, लोक संस्कृति कार्यक्रम और जागरूकता कार्यशालाएं इसे बहुआयामी स्वरूप प्रदान करेंगी। साथ ही आयोजित खाद्य उत्सव पारंपरिक व्यंजनों को नई पहचान देगा। स्थानीय उत्पादों और व्यंजनों का यह संगम नई पीढ़ी को अपनी खाद्य संस्कृति से परिचित कराने के साथ स्थानीय उत्पादकों की आय बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन 'टवबंस वित स्वबंस' की भावना को सशक्त करते हुए 'स्वबंस वित ळसव. इंस' का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद चंपावत को आदर्श एवं श्रेष्ठ जिला बनाने के उद्देश्य से अनेक विकासपरक परियोजनाओं पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में 20 करोड़ रुपये की लागत से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण कराया जा रहा है। विभिन्न मोटर मार्गों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के साथ जाम की समस्या के समाधान हेतु मल्टीस्टोरी पार्किंग का निर्माण भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत देवीधूरा वाराही मंदिर का विकास कार्य किया जा रहा है तथा माँ पूर्णागिरी मंदिर के लिए लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत से रोपवे निर्माणाधीन है। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शारदा कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत टनकपुर से बनबसा तक शारदा रिवर फ्रंट का विकास किया जाएगा। इस परिक्रमा मार्ग से माँ पूर्णागिरी धाम, चूका, श्यामलाताल और शारदा घाट जैसे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए चंपावत में वे-साइड एमेनिटीज केंद्र का निर्माण किया गया है तथा चूका क्षेत्र को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कार्य जारी है। अमोड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया गया है और अमोड़ी में हाउस ऑफ हिमालया के विपणन केंद्र की स्थापना की गई है। सूखीढांग से डाडामीनार मोटर मार्ग के पुनर्निर्माण एवं डामरीकरण के साथ हनुमानगढ़ी से खेतखेड़ा के बीच स्पान आर्च पुल का निर्माण कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टनकपुर से जौलजीबी मार्ग पर लगभग 55 करोड़ रुपये की लागत से स्पान आर्च पुल का निर्माण किया जा रहा है तथा 33 करोड़ रुपये की लागत से मार्ग का सुधारीकरण भी हो रहा है। भारत-नेपाल सीमा पर 177 करोड़ रुपये की लागत से ड्राई पोर्ट का निर्माण क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देगा। विज्ञान और नवाचार को प्रोत्साहन देने के लिए 57 करोड़ रुपये की लागत से साइंस सेंटर का निर्माण भी प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों की सूची अत्यंत विस्तृत है और सभी का उल्लेख करना संभव नहीं, किंतु वे चंपावत को आदर्श जिला बनाने के अपने संकल्प को पूर्ण किए बिना विश्राम नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के साथ-साथ प्रदेश की पहचान, संस्कृति और सामाजिक संतुलन की रक्षा के लिए संकल्पित है। "विकास भी और विरासत भी" के विकल्प रहित संकल्प के साथ उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि चंपावत की जनता का सहयोग और समर्थन इस संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार...

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

देहरादून(संवाददाता)। मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अर्न्तगत एलकेडी मोटर मार्ग के लिए रुपये 14.55 करोड़ की स्वीकृति पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत गुनियालगांव स्थित सामुदायिक भवन का शीघ्र ही जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी और सामाजिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अतिरिक्त, जनपद देहरादून में विधानसभा क्षेत्र मसूरी के अंतर्गत देहरादून-किमाड़ी-लम्बीधार-कार्ट मेकेन्जी-कम्पनी गार्डन मोटर मार्ग (एस0एच0-79) के किमी 1 से 24 (सप्लाई, कैन्ट से लम्बीधार, बासागाढ़, मसूरी) तक सिंगल लेन से इंटरमीडिएट लेन में परिवर्तन हेतु अतिरिक्त पहाड़ कटान, क्रॉस ड्रेन एवं सुरक्षा दीवारों के निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि इस सड़क के चौड़ीकरण से यातायात सुगम होगा, दुर्घटनाओं में कमी आएगी तथा पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, गुनियालगांव में सामुदायिक भवन के सौन्दर्यीकरण एवं जीर्णोद्वार के कार्य को मुख्यमंत्री घोषणा के तहत सम्मिलित किये जाने पर भी मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

उत्तराखंड के सरकारी विश्वविद्यालयों की खेल प्रतियोगिताएं 23 से

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य अन्तर-विश्वविद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता 23 फरवरी से पंतनगर में गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित की जाएगी। बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान ने राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से मुलाकात में यह जानकारी दी। प्रतियोगिता 26 फरवरी तक जारी रहेगी। प्रदेश के 11 सरकारी विश्वविद्यालयों के 1700 से अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स के साथ-साथ वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी एवं खो-खो सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि राज्यपाल द्वारा पूर्व में आयोजित कुलपतियों की बैठक में राजकीय विश्वविद्यालयों में नियमित रूप से खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए थे।

सूबे में अपनाया जायेगा गुजरात का सहकारिता मॉडल : डॉ. धन सिंह रावत

- अन्न भंडारण, क्रेडिट प्रणाली और डिजिटल विस्तार पर रहेगा विशेष जोर

- कहा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण को बनेगी ठोस रणनीति

देहरादून(संवाददाता)। सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अपने गुजरात प्रवास के दौरान आज गांधीनगर में सहकारिता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर संस्थानों के कार्यकलापों, अन्न भंडारण व्यवस्था, बैंकिंग प्रणाली, डिजिटल विस्तार और किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं के बारे में जानकारी ली। मीडिया को जारी बयान में डॉ. रावत ने कहा कि उत्तराखंड में सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए गुजरात के सफल सहकारिता मॉडल को अपनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य में सहकारी संघों, बैंकों व समितियों में आधुनिक प्रबंधन प्रणाली, वैज्ञानिक अन्न भंडारण, पारदर्शी क्रेडिट व्यवस्था और डिजिटल

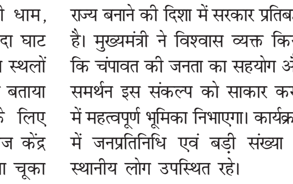

प्लेटफॉर्म पर विशेष फोकस कर सहकारिता आंदोलन को नई दिशा दी जाएगी। साथ ही केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाये जायेंगे।आधुनिक अन्न भंडारण व्यवस्था का निरीक्षण: गुजरात प्रवास के दौरान डॉ. रावत ने आज गांधीनगर स्थित सरढव सेवा सहकारी मंडली लिमिटेड के पीएम अन्न भंडारण केंद्र का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने वैज्ञानिक व सुरक्षित भंडारण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रणाली किसानों की उपज को सुरक्षित रखने और खाद्यान्न की गुणवत्ता बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसे किसानों की आय वृद्धि और खाद्य सुरक्षा के लिए प्रभावी मॉडल बताया।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , **आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email:** jokhimdehradun2006@gmail.com

ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com